हरियाणा में ग्रुप सी और डी की नौकरियों के लिए सीईटी अब अगस्त में संभव

- नैशनल टैस्टिंग एजेंसी के पास अगस्त से पहले कोई समय नहीं
- एचएसएससी ने सीईटी में फिर कमी बताई, सरकार को भेजी सिफारिश

डॉ. सुरेंद्र भीमान

दैनिक सवेरा एक्सक्लूसिव

चंडीगढ़, 14 मई : हरियाणा में ग्रुप सी और डी की सरकारी नौकरियों की बाट जो रहे बेरोजगार युवकों को फिर झटका लगा है। इन पदों के लिए पहले कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) आगामी जून में करवाए जाने प्रस्तावित था। मगर अब यह टेस्ट आगामी अगस्त में संभव हो सकता है क्योंकि इस टेस्ट को करने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के पास अगस्त से पहले समय ही नहीं है। हालांकि प्रदेश सरकार की तरफ से टेस्ट जल्द कराए जाने के प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल भर्तियों को गति तेज करने के लिए लगातार समीक्षा बैठकें कर रहे हैं, मगर पिछले साल जून में सीईटी करवाने की मुख्यमंत्री की घोषणा इस साल भी जून में संभव नहीं लग रही है। दैनिक सवेरा को मिली जानकारी के मुताबिक गत शुक्रवार देर शाम की समीक्षा बैठक में सीईटी करवाने की तैयारियों और तिथि पर चर्चा हुई तो हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की सचिव ईशा कंबोज ने आयोग की तैयारियों और लगने वाले समय की जानकारी बैठक में दी। तभी एक अधिकारी ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से भी संपर्क किया तो एनटीए की तरफ से आगामी अगस्त सुझाया गया।

कुछ विभागों ने न्यूनतम उम्र 18 साल नहीं की : हरियाणा सरकार ने एक ही फैसले में भर्ती के लिए न्यूनतम उम्र 18 साल कर दी थी मगर अभी भी कुछ विभागों में न्यूनतम उम्र 17 साल ही चल रही है। प्रदेश सरकार ने विभागों को निर्देश भी दिए थे कि वे न्यूनतम उम्र 17 से बढ़ाकर 18 साल करने का नियमों में संशोधन कर लें मगर कुछ विभाग अभी भी संशोधित करने में लापरवाही बरत रहे हैं।

यूं चलेगी विज्ञापन से सीईटी और सीईटी से भर्ती तक प्रक्रिया

जैसे ही प्रदेश सरकार ग्रुप सी के शैक्षणिक योग्यता को दुरुस्त करती है, उसके बाद हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग पद विज्ञापित करेगा। इसके बाद उम्मीदवारों को वन टाइम रजिस्ट्रेशन के लिए कहेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद सीईटी का शेड्यूल जारी होगा। ग्रुप सी के लिए अलग और ग्रुप डी के लिए अलग सीईटी होगा। सीईटी स्कोर के बाद आयोग विज्ञापित पदों के लिए आवेदन मांगेगा। आवेदन के बाद आयोग लिखित परीक्षा के लिए कट ऑफ मार्क्स से ऊपर के आवेदकों को लिखित परीक्षा के लिए आमंत्रित करेगा। दस्तावेज जांच सीईटी स्कोर के बाद भी की जा सकती है और आयोग की लिखित परीक्षा के बाद भी की जा सकती है। इस पर अंतिम फैसला आयोग उस समय करेगा। उसके बाद मेरिट आधार पर अंतिम चयन सूची जारी की जाएगी। आयोग एक जैसी शैक्षणिक योग्यता वाले पदों के लिए सीईटी स्कोर के बाद एक ही परीक्षा आयोजित कर सकता है।

सीईटी में एचएसएससी ने फिर निकाली खामी, प्रदेश सरकार को भेजा सुझाव

ग्रुप सी और ग्रुप डी पदों पर भर्ती करने के लिए प्रदेश सरकार ने कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) आवश्यक कर रखा है। इसके लिए सीईटी पॉलिसी 10 सितंबर, 2021 को जारी की थी। इस पर हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने कुछ आपत्तियां जताई और सुझाव दिए। इसी बीच सरकार ने सामाजिक-आर्थिक मानदंड के अंक 10 से घटाकर 5 फीसदी कर दिए। इसके बाद सीईटी पॉलिसी के कुछ बिंदुओं में सुधार किया गया और 10 मई, 2022 को संशोधित पॉलिसी जारी कर दी गई। जारी होते ही हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने ग्रुप सी की कुछ पोस्ट की शैक्षणिक योग्यता 12 जमा दो करने पर आपत्ति जता दी। आयोग ने प्रदेश सरकार को भेजे सुझाव में कहा कि ग्रुप सी के कुछ पद ऐसे हैं, जिनकी शैक्षणिक योग्यता दसवीं है। इसलिए ग्रुप सी के लिए 10 जमा दो की योग्यता खत्म कर दी जाए। इस पर शुक्रवार को बैठक में फैसला हुआ कि ग्रुप सी के लिए शैक्षणिक योग्यता 10 जमा दो ही रहेगी। मगर किसी के पास अगर 10 जमा दो के बराबर योग्यता है तो वह भी सीईटी के लिए पात्र होगा। कुछ तकनीकी पदों के लिए आईटीआई में दसवीं के आधार पर दाखिला मिलता है जबकि ये तकनीकी पद ग्रुप सी कैटेगरी में आते हैं। चूंकि हरियाणा में दसवीं के पास किए गए डिप्लोमा को 10 जमा दो के समकक्ष माना हुआ है इसलिए तकनीकी पद वाले दसवीं पास उम्मीदवार भी ग्रुप सी के सीईटी के लिए पात्र हो जाएंगे। अलबत्ता, ग्रुप सी टेस्ट के लिए हिंदी और इंग्लिश के प्रश्न अब 10वीं स्तर तक के ही पूछे जाएंगे। पहले यह स्तर 10 जमा दो तक था। इस संशोधित अधिसूचना के बाद हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग अगली प्रक्रिया शुरू करेगा।